

बनु दास जनम जनम तक,
यो ही आयो मांगने,
मैया थारै आंगणे,
मैया थारै आंगणे ॥

तर्ज कानुड़ा की याद आ गयी ।

मंगल गाऊं घर घर जाकर,
थासु मिल्यो उपहार,
देके सेवा इ जनम में,
बहुत कियो उपकार,
मौज उडावा म्हे तो,
दादी थारे कारणे,
मैया थारै आंगणे,
मैया थारै आंगणे ॥

मानव तन जो पाऊं फिर से,
मंगल मैं गाऊँ,
पंछी जीवन म्हेणे द्यो तो,
यो ही मैं चाहूँ,
बनके मोरियो मैं नाचूँ,
मंदिरियो के बारने,
मैया थारै आंगणे,
मैया थारै आंगणे ॥

चाहे बना ले श्याम ने दादी,
निज चरणा री धूल,
चरण चाकरी करने में,
म्हासु होवे कदी ना भूल,
म्हणे भी तारो मैया,
बैठ्या सबने तारने,
मैया थारै आंगणे,
मैया थारै आंगणे ।।

बनु दास जनम जनम तक,
यो ही आयो मांगने,
मैया थारै आंगणे,
मैया थारै आंगणे ।।

Singer Ujjwal Khakholia

Source:

<https://www.bharattemples.com/banu-daas-janam-janam-tak-yo-hi-aayo-mangane/>



Bharat Temples

Complete Bhajans Collections - Download Free Android App

<https://play.google.com/store/apps/details?id=com.numetive.bhajans>

Facebook: <https://www.facebook.com/bharattemples/>

Telegram: <https://t.me/bharattemples>

Youtube: <https://www.youtube.com/channel/UC24oJCxZJyhhKzSUD-Lt9Tw>